हरियाणाा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 जून, 1986

खण्ड 2 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भानिवार, 21 जून, 1986

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
अध्यक्ष द्वारा घोशणाः—	
(i) पैनल आफ चेयरमैन	(1)5
(ii) कमेटी आन पैटी ांज	(1)5
(iii) पब्लिक अंडरटैकिंग कमेटीप की 22 वीं रिपोर्ट पे ा करना	(1)5
संयूक्त सचिव द्वारा घोशणाः—	
राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गये बिलों संबंधी	(1)6
बिजनैंस ऐडवाईजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)7
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(1)8
सदन की मेज पर रखें गए/पुनः रखे गए कागज पत्र	(1)8
(क) संयूक्त सचिव द्वारा	(1)8
(ख) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा	(1)8

ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामालों संबंधी प्रिविलेजिज की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिक रिपोर्ट पे ा करने के लिये समय बढानाः–	
(i) 25.05.1982 को राजभवन मे हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल–प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल एम.एल.ए. के विरूद्व	(1)9
(ii) 24.06.1982 को सदन मे राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल एम.एल.ए. के विरूद्व	(1)10
(iii) चौधरी हरद्वारी लाल, भूतपूर्व उप–कुलपति, महर्शि दयान्नद यूनिवर्सिट, रोहतक के विरूद्व	(1)11
(iv) 16.09.1985 के दैनिक इंडियन एक्सप्रैस मे छपे एक समाचार के सम्बन्ध मे डा.भीम सिंह दहिया, एम.एल.ए. के विरूद्व	(1)12
मुख्यमंत्री का स्वागत	(1)13
भूतपूर्व मुख्यमंत्री, चौधरी भजन लाल, द्वारा की गई सेवाओं की प्र ांसा	(1)20
मुख्यमंत्री द्वारा पालिसी स्टेटमैंट तथा उस पर चर्चा	(1)20

हरियाणा विधान सभा

भानिवार, 21 जून, 1986

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चंडीगढ़ में 16.00 बजे प्रातः हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब औबीच्यूरी रैफरैंसिज होगें।

Chif Minister (Sh. Bansi Lal): This House Places on record its deep sense of sorrow on the brutal assassination of Sh. Olof Palme, Swedish Prime Minister of February 28] 1986.

Sh. Palem was elected to the Swedish Parliament in 1956. He Became Chairman of Social Democratic Labour Party in 1969. He became Prime Minister of Sweden in 1969 and continued as such till 1976. In 1982 he became Prime Minister again.

Sh. Palme was wedded to the cause of World Peace. He was associated with several International Commissions on Development, Disarmament and World Peace. He was an ardent supporter of the Third World Countries.

In this death, the world has lost a true humanist and India has lost a true friend.

The House resolves to sent its heartfelt condolences to the bereaved people of Sweden.

This house places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Dr. K. L. Rao, former Union Minister for Irrigation and Power on May 18, 1986.

Dr. Rao w2as educated at Madras and U.K. and was great Scientist. He was responsible for designing many important Dams in India and rose to become the President of Central Board of Irrigation and Power in 1960. Dr. Rao is remembered for his proposal to form the “National Water Grid” popularly known as Ganga-Cauvery Link.

Dr. Rao was elected to Lok Sabha in 1962 and was again returned in 1967 and 1971. He has been Union Minister for Irrigation and Power from 1963 to 1973. He was awarded Padma Vibhusan in 1963.

In his death, the country has lost an eminent engineer, an able administrator and a seasoned parliamentarian.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Dr. Mohinder Singh Randhawa, The firs Chief Commissioner of Chandigarh on March 3, 1986.

Dr. Randhawa joined the Indian Civil Service in 1934. He held several important posts and was the first Chief Commissioner of Chandigarh from 1966 to 1968. He also became Vice Chancellor of Punjab Agricultural University.

Dr. Randhawa was a versatile personality. He wrote books on Art and Culture as well as Agriculture and horticulture.

In his death, the country has lost a dynamic administrator and a patron of Art.

The House resolves to se4nt its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on th sad demise of Sh. B. V. Desai, member Lok Sabha. Sh. Desai was a parliamentarian of great repute. he was personally known to me and in his death the country has lost an outstanding parliamentarian and a great personality.

The House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This house places on record its deep sense of sorrow on the sad dimise foSh. Shrikant Verma, Prominent Hindi Writer, on May 25, 1986.

Sh. Shrikant Verma did his M.A. in Hindi Literature and had taken to journalism. He as elected Member of the Rajya Sabha from Madhya Pradesh in 1976 and again in 1982. For two years he worked as General Secretary of the Congress (I) Party. Sh. Verma was a warm-hearted person and had many admirers. He was personally known to me and in his death the country has lost a great writer and a parliamentarian.

The House resolves to send its heartfelt condolences ot the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Sardar Sant Singh Gill, MLA, Punjab on April 28, 1986. Sardar Sant Singh Gill was elected to the Ninth Punjab Vidhan Sabha fro the first time. He took active part in social organizations.

The house resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the untimely death of Sh. Mannohan Kalia, MLA, Punjab on June 2 1986.

Sh. Mannohan kalia was an advocate by profession. He was elected as a member of Punjab Vidhan Sabha in 1967, 1969, 1977 and 1985 fro Jullundur Central Constituency. He remained Cabinet Minister in 1969-70.

In his death the country has lost a social worker and a parliamentarian.

This house resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

श्री लछमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, लीडर आफ दि हाउस न जो भाोक प्रस्ताव हाउस के सामने रखा है, मै भी अपने आपको उसमे भाामिल करता हूं। वैसे तो जो भी आदमी इस संसार मे पैदा हुआ है, उसने किसी न किसी वक्त जाना होता है। लेकिन कुछ हस्तियां ऐसी होती है जिनके जाने से बहुत बड़ा ख्ला पैदा हो जाता है। इनमे से चन्द एक तोमै जाती तौर पर जानता था, मिसाल के तोर पर श्री एम.एस. रन्धावा। डा. रन्धावा जमींदारों

के एक बहुत बड़े खैर–ख्वाह थें। उन्होने बहुत सारी किताबें लिखी है। चण्डीगढ को खुबसूरत भाहर बनाने मे उनाक बहुत हाथ है। स्पीकर साहब, आप भी जानते होगें, वे खरड़ मे रहते थे। कई दफा मै उनको मिलने के लियें गया। जहां पर उन्होने अपनी किताबे रखी हुआ थी, वहां जूते उतार कर अन्दर जाया करते थे क्येांकि वे उनकी पूजा करते थें। ऐसा समझते थे कि यह एजुके ान का मन्दिर है। उनके चले जाने से फार्मर्ज यानी जमींदारों को बहुत लौसा हुआ हें इनके अलावा पंजाब मे दो एम. एल.ए. भी है, जिनकी मौत हो गयी हें एक तो एक्सट्रिमिस्ट्स के हाथो मारा गया और दूसरा बेचारा एक्सीडैंट मे मारा गया। उनके जाने से इस दे ा को बहुत बड़ा नुक्सान हुआ है। इनके अलावा, श्रीकांत वर्मा साहब हमारे दोस्त थे। वे बहुत बड़े एजुके ानिस्ट और राईटर थे। उनहोन बहुत सारी किताबे लिखी है। मै अपने आपको इस भाोक प्रस्तवा मे भाामिल करता हूं और बिरीवड फेमिलीज के लिये अपने श्रद्वा के फूल भेंट करता हूं।

श्री निहाल सिंह (अटेली): अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जो भाोक प्रस्ताव हाउस मे रखा है, मै भी अपने आपको और पार्अी को उसके साथ जोड़ता हुं। पिछले सै ान और इस सै ान के वक्फे मे ये 7 महानुभाव हमसे जुदा हो गये यानी इस दुनिया को छोड़ कर चले गये है। उनके बारे मे जो ख्यालात मुख्यमंत्री जी ने जाहिर किये है, मै उनके साथ पूरी तरह से सहमत हूं और परमात्मा से यह प्रार्थना करता हूं कि वह इन महानुभावों को

भाान्ति दें। इनमे से चन्द एक के बारे मे मैं भी कुछ कहना चाहूंगा। स्वीडि ा प्राईम मिनिस्टर श्री पाल्मे टैरारिस्टस के हाथो मारे गयें। वे हमारे प्रधानमंत्री के निजी दोस्त थें। हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनकी मौंत से मुण्े पर्सनल लौसा हुआ है। हम वहा की जनता के लिए तथा उनके परिवार के लिए प्रार्थना करते है कि भगवान उनको इस दुख को सहन करने की भाक्ति प्रदान करे तथा दिवगंत आत्मा को भाान्ति मिलें। स्पीकर साहब, प9ंजाब के जो दो एम.एल.एज. थे उनमे से एक तो आतंकवाद के ि ाकार हुए और दूसरे एक हादसे मे मारे गए। इन सब के बारे मे मैं मुख्यमंत्री मे ख्यालात से सहमत हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भाान्ति दें।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, पिछले सै ान के बाद कई इम्पौरटैंट पर्सनैलेटीज इस संसार से चली गई हैं।

मिस्टर औलफ जोमि पाल्मे स्वीडन के प्राईम मिनिस्टर थें, जिनकास यूनिवर्सल पीस और डिसआर्मामैंट के फील्ड मे बहुत बड़ा योगदान रहा।

डा. के.एल. राव यूनियन इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर रहे तथा वे एक रिनाउंड इंजीनियर भी थें। उनकी डैथ से दे ा ने एक अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर एंड इंजीनियर को खो दिया है।

डा. एम.एस. रंधावा इस रीजन के जाने माने एग्रीक्लचरिस्ट थें। वे पंजाब एग्रीक्लचर यूनिवर्सिटी के वाई

चान्सलर तथा चण्डीगढ के पहले चीफ कमि नर भी रहें। उनकी डैथ कृशि जगत को गहरा धक्का लगा हैं।

श्री एस.के. वर्मा राज्य सभा के मैम्बर थें। उनकी डैथ से दे ा सेएक अच्छा हिन्दी पोएट व पार्लियामैंटीरियन छिन गया है।

श्री बी.वी. देसाई लोक सभा के सिटिंग मैम्बर थे। वे एक जाने–माने पौलिटीि ायन थें।

श्री संत सिंह गिल और श्री मनमोहन कालिया हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब के एम.एल.एज. थे। उन्होने अपने राज्य की बहुत सेवा की। श्री कालिया एक माने हुए और एक अच्छे पार्लियामैंन्टेरियन थें। उनकी मौतसे पंजबा को और दे ा को काफी नुक्सान हुआ है।

मै इन सब पर्सनैलेटीज को, जिनकी अभी चर्चा हुई है होमेज पे करता हूं और इस हाउस की डीप सिम्पथीज को बिरीवड फेमिलीज तक पहुचा दूगां।

अब मै हाउस से रिक्वैस्ट करूंगा कि इन डिपार्टिउ लीडर्ज की मैमारी मे खड़े हो कर दो मिनट का साईलैंस आबजर्व करें।

(इस समय सदन ने दिवगंत नेताओ के सम्मान मे खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

अध्यक्ष द्वारा घोशणाः–

(i) पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 13(1) के अनुसार मै फोलोविंग मैंम्बर्ज को पैनल आफ चेयरमैन मे काम करने के लिए नोमिनेट करता हूंः–

1. श्री धर्मबीर गाबा।

2. चौधरी इन्दर सिंह नैंन।

3. श्री रो ान लाल आर्य।

4. श्री कंवल सिह।

(ii) कमेटी आन पैटी ांज

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 286(1) के अनुसार मै फोलोविंग मैंम्बर्ज को आन पैटी ांज मे काम करने के लिए नोमिनेट करता हूंः–

1. चौधरी वेद पाल, उपाध्यक्ष, पदेन सभापति।

2. श्री बलबीर सिंह ग्रेवाल।

3. श्री धर्मबीर गाबा।

4. श्री जगदी ा नेहरा।

5. श्री रो ान लाल आर्य।

(iii) पब्लिक अंडरटैकिंग कमेटीप की 22 वीं रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: I have to inform the House that in pursuance of Rule 224 of the Rules f Procedure and Conduct of Business in the Haryana Vidhan Sabha, the 22nd Report of the Committee on Public undertakings was presented to me by the Chairman of the Committee on Public undertakings for the year 198-86, on the 31st March 1986, when the Assembly was not in Session and its printing was ordered.

Now, a copy of the 22nd Report of the committee on Public undertakings in presented to the Assembly.

संयूक्त सचिव द्वारा घोशणाः–

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गये बिलों संबंधी

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब ज्वायंट सैक्रेटरी कुछ अनाउंसमैंट करेगें।

Joint Secretary: Sir, I lay on the Table of the house a statement showing the bills which were passed by the Haryana legislative Assembly during its Budget (February) Session, 1986 and have since been assented to by the *President/Governor.

Statement

1. The Haryana Public Premises and Land (Eviction and Rent Recovery) Amendment Bill, 1986.

2. The Haryana Co-Operative Societies (Amendment) Bill, 1986.

3. The Haryana General Sales Tax (Amendment and Validation) Bill, 1986.

4. The Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Bill, 1986.

5. The Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1986.

6. The Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1986.

7. The Haryana Rural Development Bill, 1986.

8. The Haryana Appropriation (No.1) Bill, 1986.

9. The Haryana Co-Operative Societies (Second Amendment) Bill, 1986.

10. The Haryana Urban (Control of Rent and Eviction) Amendment Bill, 1986.

11. The Haryana Housing Board (Amendment) Bill, 1986.

12. The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1986.

13. The Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Bill, 1986.

14. The Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1986.

15. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1986.

बिजनैंस ऐडवाईजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना

श्री अध्यक्षः अब मै वेरियस बिजनैस के बारे मे बिजनैस एडवाईजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाईम टेबल रिपोर्ट करता हूं।

"The Committee net on Saturday, the 21st June, 1986 at 11.00 A.M. in the Chamber of the Speaker.

The Committee, after some discussion, recommended that the business on Saturday, the 21st June 1986, be transacted by the Sabha as follows:-

Saturday, 21st June, 1986 (4:00 P.M.)

1. Obituary reference.

2. Presentation and adoption of the first Report of the Business Advisory committee.

3. Motion under Rule 16.

4. Papers to be laid/re-laid.

5. Presentation of four Preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of final Reports theron.

6. Statement by the Chief Minister and discussion thereon, if any.

7. Any other business."

अब पार्लियामैन्टरी अफेयर्ज मिनिस्टर यह प्रस्ताव पे ा करेगे कि यह हाउस बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट मे दी गई सिफारि ाों से सहमति प्रकट करता है।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Samsher Singh Surjewala): Speaker. Sir, I beg to move—

That this house aggress with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Commiitee.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआः—

कि यह हाउस बिजनैंस ऐडवाईजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट मे दी गई सिफारि ाों से सहमति प्रकट करता है।

श्री अध्यक्षः प्र न हैः—

कि यह हाउस बिजनैंस ऐडवाईजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट मे दी गई सिफारि ाों से सहमति प्रकट करता है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः अब पार्लियामैंटरी अफेंयर्ज मिनिस्अर रूल 16 के तहत मो ान मूव करेगें।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Samsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआः—

कि असैम्बली अपनी आज की बैठक के उठनके पर साईन डाई ऐडजर्न होगी।

श्री अध्यक्षः प्र न हैः—

कि असैम्बली अपनी आज की बैठक के उठनके पर साईन डाई ऐडजर्न होगी।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन की मेज पर रखें गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

(क) संयुक्त सचिव द्वारा—

श्री अध्यक्षः जब ज्वायंट सैक्रेटर टेबल आफ दि हाउस पर पेपर्ज री—ले करेगें।

Joint Secretary: Sir, I beg to re-lay on the Table the Haryana Legislative Assembly (Disqualification of Member on ground of Defection)Rules, 1986, framed by the Speaker,

Haryana legislative Assembly, in exercise of the powers conferred by paragraph 8 of the Tenth Schedule to the Constitution of India as required under Sub-Paragraph (2) thereof.

(ख) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा–

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब टेबल आफ दि हाउसस पर पेपर्ज री–ले करेगें

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Samsher Singh Surjewala): Sir, I beg to re-lay on the Table the Health Department Notification, No. G.S.R. 2/Pa.a 16/65/S. 53/85, dated the 27th December, 1985, regarding the Haryana Homeopathic Practitioners (Election)Rules, 1985, as required under section 55 of the Punjab Homoeopathic Practitioner Act, 1965.

ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामालों संबंधी प्रिविलेजिज की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिक रिपोर्ट पे ा करने के लिये समय बढानाः–

(i) 24.05.1982 का राज भवन मे हरियाणा के राज्यपाल को कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल–प्रयोग करने, के लिए चौधरी देवी लाल, एम.एल.ए. के विरूद्व।

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिह नैन, एम.एल.ए. चेयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी 24 मई 1985 को राज भवन मे चौधरी देवी लाल, एम, एल,ए. द्वारा गवर्नर आफ हरियाणा की

अलैज्ड इंसल्ट, एब्यूज, एंड मेन–हैंडलिंग के इ ा पर कमेटी का नाईथ प्रिलिमिन्री रिपोर्ट करेगें तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रैजेन्ट करने के लिये टाईम एक्सटैं ान का मो ान मूव करेगें।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Ninth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Ch. Devi Lal, M.L A. for alleged insulting, abusing and man-handling the Governor of Haryana in Raj Bhawan on the 24th May, 1982.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआः–

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री लछमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, मेने पिछले सै ान के दौरान भी कहा था कि यह प्रिविलेज मो ान पिछले चार साल से चल रहा है और दरखास्त की थी कि इसे ड्राप कर दिया जाएं। अब चूंकि नये लीवडर आफ दि हाउस त ारीफ लाए है उन से भी मै यही दरखास्त करूंगा।... .. . .

श्री अध्यक्षः सरदार साहब, वे व्यूज तो आपके नोट किये हुए है जो आपने पिछले से ान मे दिए थें। उससे नई कोई बात है तो आप कहिए।

श्री लछमन सिंहः नई बात तो यह है कि अब चेन्ज आफ लीडर ीप हुई है। लीडर आफ दि हाउस नये चुनकर आये है ओर वह सामने बैठे है। स्पीकर साहब, इस हाउस की मियाद सिर्फ 8 महीने ही बाकी है। इसके बाद भाायद हम एक या दो से ान की और कर पायेगें और साथ मे चण्डीगढ का मसली भी हैं। समय हमारे पासा बहुत कम रहा गया हैं इन बातो मे से कुछ हाने वाला नही है। इसलियें मै यहा हाउस मे उनसे यह दरखास्त करूंगा कि इस प्रिविलेज मो ान को डो्प कर दिया जाए। इसमे कोई जान नही है। यूंकि हाउस का कीमती समय बरबाद हो रहा है। इसलिये मै यह उम्मीद करता हूं कि मेरे इस सुझाव पर हाउस दोबार गौर करेगा। इस तरह समय बढाने से कुछ भी होने वाला नही हैं, कोई फायदा नही हैं। धन्यावाद।

सैठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, मै प्रिविलेज कमेटी का मैम्बर हूं। चौधरी देवी लाल जी, पिछले चार सालों से कमेटी के सामने केवल एक या दो बार ही आए है। जब वे कमेटी के सामने पे ा होकर अपना जवाब देगे तभी इस बारे मे विचार किया जा सकता है कि इस मो ान को ड्रोप किया जाए या नही। इसलियें मेरी यहां हाउस मे यह रिक्वैस्अ है कि यह मो ान किसी

भी सूरत मे ड्राप नही होना चाहियें। जब तक की चौधरी देवी लाल जी हाउस के सामने रिगरेट न करें। धन्यावाद।

श्री अध्यक्षः सरदार साहब का याराना भी तो बाहर पता लगना चाहियें। (हंसी)

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, याराने की कोई बात नही है। मै हाउस को यह बताना चाहता हूं कि चौधरी साहब प्रैक्टीकल आदमी है और थ्यूरी मे बिलीवन नही करते। वे यहा कुछ करे। लेकिन कुछ करता तो है नही।

श्री अध्यक्षः प्र न हैं:–

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) 24.06.1982 को सदन मे राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल, एम.एल.ए. के विरूद्व

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्रसिंह नैन, एम.एल.ए. चेयरमैन प्रिविलिज कमेटी 24 जून, 1985 को चौधरी देवी लाल एम.एल.ए. के अलैज्ड मिस–कन्डक्ट आन दि ईव आफ गवर्नर्ज एड्रैस टू दि हाउस के इ ा पर कमेटी की नाईन्थ प्रिलिमिनरी

रिपोर्ट प्रेजैंन्ट करेगें तथा कमेटी का फाईनल रिपोर्ट एक्सटै ान को मो ान मूव करेगें।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Ninth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Ch. Devi Lal, M.L A. for alleged misconduct on the eve of Governor's Address to the House on the 24th June, 1985

Sir, I also beg to move—

That timve for the preisention of the final Report to the House Extended upto the First sitting of the next Session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआः—

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैः—

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iii) चौधरी हरद्वारी लाल भूतपूर्व उप—कुलपति, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरूद्व

श्री अध्यक्षः अब चौधरी इन्द्र सिंह नैन, एम.एल.ए. चैयरमैन, प्रिविलेजिज कमेटी, कवै चन आफ अलैज्ड ब्रीज आफ प्रिविलेज अगैसट चौधरी हरद्वारी लाल एक्स वाईस चांसलर, महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक फार हिज राइटिंग ए बुकलेट ''लैजिस्लेचर, जुडि ियल, प्रैस एण्ड यूनिवर्सिटीज'' कास्टींग एस्प र्न्ज आन दि मैम्बर्ज एण्ड लोआरिंग दि इम्मेज एण्ड प्रैस्टिज आफ दि हाउस एण्ड इट्स मैम्बर्ज के इ ू पर कमेटी की सेंवथ प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रेजैंट करेगें तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैन्ट करने के लिए टाईम एक्सटै ान का मो ान मूव करेगें।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): Sir, I beg to present the Seventh Preliminary Report of the Committee of privileges on the matte in regard to the question of alleged breach of privilege aginst Ch. Hardwari Lal, Ex-Vice-Chancellor, Maharsha Dayanand University, Rohtak for this writing a booklet "Legislature, judiciary, Press and universities" casting aspersions on the Members and lowering the image and prestige of the House and its Members.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआः—

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्र न है:–

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(iv) 16.09.1985 के दैनिक इंडियन एक्सप्रैस मे छपे एक समाचार के सम्बन्ध मे डा. भीम सिह दहिया, एम.एल.ए. के विरूद्व

Mr. Speaker: Now Chudhri Inder Singh Nain, M.L.A. Chairman privileges Committee, question of alleged breach of privilege against Dr. Bhim Singh Dahiya, M.L.A. in respect of a news item in daily Indian Express dated 16th September, 1985 captioned "Lok Dal MLAs refuse to meet the Speaker" casting reflection on the impartiality of the Speaker in the discharge of his duties के इ ू पर कमेटी की सैकिन्ड प्रिलिमिनरी रिपोर्ट प्रेजैंट करेगे तथा कमेटी की फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिये टाईम एक्सटैं ान का मो ान मूव करेगें।

Chaudhri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges): I beg to present the Second Preliminary report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege aginst Dr. Bhim Singh Dahiya, M.L.A., in respect of a news item in daily Indian Express dated 16th September, 1985, Captioned "Lok Dal MLAs

refuse to meet the Speaker" casting reflection on the impartiality of the Speaker in the discharge of his duties.

I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआः—

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैः—

कि कमेटी फाईनल रिपोर्ट प्रेजैंट करने के लिए नैक्सट सै ान की फर्स्ट सिटिंग तक टाईम ऐक्सटैंड कर दिया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) चौधरी

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मै आपकी इजाजत से नए मुख्यमंत्री जी के प्रति चन्द लफ्ज कहना चाहता हूं। मै नए मुख्यमंत्री जी का अपनी तरफ से तथा पार्टी के अन्य सदस्यों की तरफ से स्वागात करता हूं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी लगभग 10 साल के बाद दोबारा फिर हरियाणा की सेवा करने के लिए आए है।

हमारे प्रधान मंत्री जी ने इनकी सेवाए हरियाणा के लिए सौंपी है। चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा वासियों के लिए तथा हाउस के माननीय सदस्यों के लिए कोई नए नही है। दरअसर अगर चौधरी बंसी लाल को हरियाणा को निर्माता कहा जाए तो इसमे कोई अति ायोक्ति नही है। हरियाणा हिन्दूस्तान की सबसे छोटी स्टेट थी, जब यह स्टेट बनी तो लोगो को सन्देह था कि क्या यह अपने कर्मचारियो और अधिकारियों को तनखाह भी दे सकेगी? लेकिन हरियाणा बनने के बाद दो साल मे आपने देखा कि किस गति से यहा तरक्की हुई । यह हिन्दूस्तान की सबसे प्रथम स्टेट बनी जिसमे गांव गांव मे बिजली गई ओर बहुत से कल्याण के कार्य हुए। थोड़े अरसें के बाद हरियाणा स्टेट तमाम भारतवर्श मे इस बात के लिये जानी जाने लगी कि it is an action oriented State और इसके साथ साथ चौधरी बंसी लाल जी का नाम भी चला। इनहोन इन सीमाओं को पार करके तमाम हिन्दूस्तान मे मान और ख्याति प्राप्त की। चौधरी साहब के कार्यो केा देखते हुए उस वक्त की प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने इनकों हिन्दस्तान के रक्षा मंत्रालय का कार्यभार सोंपा और कांग्रेस वरकिंग कमेटी, जो कांग्रेस पार्टी की सक से ऊंची बौडी हैं, उसके भी बाद लोक सभा का सदस्य बनने के बाद इन्होनें कांग्रेस पार्टी के कार्य मे और प्रान्त के लोगो की जो सम्सयाए थी, उनको सुलझाने मे बहुत रूची दिखाई। 1984 के चुनाव के बाद ये दोबारा लोक सभा के मैम्बर बन कर गए तो हिन्दूस्तान के युवा प्रधान पंत्री ने दे ा के सब से बड़े परिवहन मन्त्रालय का कार्यभार इनके जिम्मे सौंपा।

इन्होने बहुत ही थोड़े समय मे इस मंत्रालय को बहुत बेहतरीन तरीके से चलाया और नए माप दण्ड कायम किए। आज हरियाणा जिन परिस्थितीयों से गुजर रहा है और जो हमारी अन्तर्राज्यीय समस्याए हैं, उनके कारण आज इस बात की बड़ी स्खत जरूरत थी हमारी पार्टी की हाई कमांउ ने बहुत ही उचित फेसलास किया कि आज इस प्रान्त की बागडोर लोह–पुरूश, माने हुए एडमिनिस्ट्रेटर, जिनका अपना माप–दण्ड सारे मुल्क मे था, चोधरी बंसी लाल को सोंपी। हमे इस बात मे कोई संदेह नही कि जो अन्तर्राजयीय समस्याए है वे बहुत ही सद्भावना और भाान्तिपूर्ण तरीके से तया होगी ओर हरियाणा के हितो की कोई क्षति नही होगी। इन समस्याओं के हल के बाद हरियाणा मे नए सूत्रपात का आरम्भ होगा। हरियाणा तरक्की की ओर बढेगां। इनके होते हुए हरियाणा मे कांग्रेस पार्टी बहुत मजबुत होगी। इन भाब्दो के साथ मै अपनी तथा हाउस के सभी मैम्बरों की ओर से मुख्यमंत्री जी का स्वागत करता हूं। हम इनके नेतृत्व मे पूर्ण वि वास प्रकट करतें है और कांग्रेस हाई कमांउ का धन्यावाद करते है।

श्री लछमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, अभी सुरजेवाला साहब ने चौधरी बंसी लाल जी को खु ाामदीद कहा हैं। मै भी अपनी तरफ से और अपनेदल की तरफ से, क्योंकि मै तो आजकल यहा पर अकेला ही दल का लीडर हूं। चौधरी साहब को जिम्मेदारी से तय दिल से और जजबात के साथ खु ाामदीद करता हूं। मै प्राईम मिनिस्टर श्री राजीव गांधी का भी बहुत बहुत

धन्यावाद करता हूं कि उन्होने चौधरी साहब को ऐसे मौके पर हरियाणा की बागडोर संभाली जबकि इतने मजबूत और बैस्अ एडमिनिस्ट्रेटर की हरियाणा को जरूरत थी। जहां हम चौधरी साहब की तारीफ करते हुए है वहां मै यह भी महसूस करता हूं कि चौधरी साहब, हरियाणा की जनता ने ही नही बल्कि सारे दे ा की जनता ने आपको बहुत बड़े इम्तहान मे डाला है। स्पीकर साहब, से हरियाणा का पोलिटकिल सीन पोल्यूटिड हुआ हें हमे भार्म आया करती थी जब हम दूसरे सुबों मे जाया करते थे। मै अभी पिछले 8–10 दिन की बात आपको बताता हु। मै यू.पी. मे गया तो देखा कि वहां के लोग भी बहुत खु ा है। जो हमे ंबदनुमा धब्बा लगा हुआ था, वह कलंक हमारे सिर से उतर चुका हैं और लोग बहुत खु ा है। मै हाउस को इतलाह दे देना चाहता हूं कि भाायद सब को पता होगा कि जिस दिन चौधरी साहब को एक अपील करना चाहूंगा और मूझे उम्मीद है कि ये महसूस नही करेगे। हरियाणा की जो अफसर ााही है वह बिल्कूल बिगड़ चुकी है। चोधरी साहब ने यह तो जरूर कहा है कि मै एक ान ओरिएंटिड चीफ मिनिस्टर हूं और इसमे कोई भाक भी नही, क्योकि पहले जब 8–9 वर्श चौधरी साहब हरियाणा के चीफ मिनिस्टर साहब रहे तेा हरियाणा हिन्दस्तान के नक ो पर उभर कर सामने आया था। हम अब भी इनसे वही उम्मीद करते हैं। वैसे तो चण्डीगढ को जाने वाला नही है। लेकिन अगर चला भी गया और हरियाणा को अपना तथा कैपिटल बनाना पड़ा तो चौधरी बंसीलाल के दस्ते–मुबारिक से जब उस कैपिटल की बुनियाद रखी जाएगी तो हरियाणा

इंटरनै ानल मैप पर भी आएगा, इसमे कोई भाक की बात नहीहै। लेकिन मै एक गुजारि ा करना चाहूंगा कि हमारा दे ा एक डेमाक्रेटीक कन्ट्री है। दे ा के अन्दर राज बदले जाते है, जब इलैक्शन होगे तोनये नये आदमी आएगें लेकिन हरियाणा मे पिछले 8 सालों मे एक बहुत बड़ी परम्परा पड़ी है कि अपोजी ान के एम. एल.एज. की इन्सल्ट पब्लीकली की जाए ओर अफसर उनसे मिल कर नफरत करें। मै चौधरी साहब से हाथ जोड़ कर अपील करूंगा कि वे इस परम्परा को दूर करें। एक बहुत बडी परम्परा हमारें दे ा के अन्दर खास तौर पर हरियाणा के अन्दर पड़ी। यहा पर एम.एल.एज इनस्लट की जाती थी। यह डेमोक्रेसी के अन्दर बहुत बुरी बात हैं। काम को तो छोडिए, अफसर ाही अपोजी ान के एम.एल.एज. को मिलते समय नफरत महसूस करती थी। यहां तक नौबरत आ चुकी थी कि एक एस.डी.एम. यह समझता था कि अपोजी ान के एम.एल.ए. पर जितने मुकदमे बनायेगा उतनी जल्द वह डिप्टी कमी नर बन जायेगां और डिपओ कमि नर भी समझता था कि जितना उनको जलील करेगां उतनी जल्दी वह कमि नर बन जायेगा। तो चौधरी साहब से मै रिक्वैस्ट करूंगा कि इस बात को चैक करे और इसे ठीक करे। जिस तरह से ओ पहले आठ वर्श हरियाणा के अन्दर डेमोक्रेसी नार्म रखे, उसी तरह से अब भी उनको वापिस लाए। चौधरी बंसी लाल जी को पुराना तजरबा हैं।सब लोग इसलिए उनसे उम्मीद करते है और इसमे कोई भाक ीक बात नही है कि वे उन नार्मज को जरूर वापिस लाएगें। अभी सुरजेवाला साहब ने बिजली की बात कही। बिजली

तो चौधरी साहब हरियाणा मे एक एक गांव को दे गए थे लकिन ज्यो हीये गये एक डेढ साल के बाद बिजली गायब हो गई। अभी 4–5 दिन हुए मेरे हल्के का एक आदमी आया था। वह कहने लगा कि 24 घंटे बिजली रहती हैं। मैने कहा पता नही कहां से आ गई। तो अब इन अफसरों ने काम करना भुरू कर दिया है और मै उम्मीद करता हूं कि आहिसता आहिस्ता आगे भी करेगें। मै परमात्मा से खुदा अल्लाहाताला से दुआ करूंगा कि चौधरी साहब को इनती ताकत और हिम्मत दे। इनके हिम्मत तो है इसमे कोई भाक की बात नही है, लेकिन मै चाहता हूं कि और हिम्मत दे ताकि वे हमारे हरियाणा की सेवा कर सकें और जो बिगड़ा हुआ ढांचा है, जो पोल्यूटिड हो चुका है, हर किस्म से हम बदनाम हो चुके है उसको लाई पर लाए। परमातम से यही दुआ करते हुए मै एक बार फिर कहुंगा कि सारी स्टेट के अन्दर जितनी गड़बड़ है कही पंचायतो को तोड़ दिया और कमेटियां बना दी गई, कही गरीबों को परे ाान किया गया। हर हल्के के अन्दर और हर जगहों पर सैकड़ों झूठें मुकदमे बनाए गए। आप इन सभी झूठे मुकदमो को दूबारा देखे और उनको रिवाईज करें। मै फिर भगवान से दुआ करता हूं कि इनके हाथ अधिक से अधिक मजबूत हों। एक बात मै खासतौर से चौधरी साहब से अर्ज करना चाहूंगा कि जिन हालात मे आज आपको दुबारा मुख्यमंत्री बनाया गया है, उनको देखते हुअए आपके जो काम हो, वे लोहे के हाने चाहिए न कि मोम के । आपको चुगलखोरों से बचना चाहिए। चापलूसिए अीाी भी आपके इर्द गिर्द घूमेगं और कहेगे कि चौधरी साहब हम

तो आपे लिए बहुत दुआ करते थे कि आप मुख्यमंत्री बनें। आपको चापलूंसो से बचना चाहिए। सियास्तदान वही कमजोर हो जाताहै। वही खराब हो जाता है जहां वह खुशामन्द परस्तों के चक्कर मे फंस जाता है। लेकिन चौधरी साहब इस बारे मे सब जानते हैं। ये बड़े तजुर्बेकार है। मै भगवान से खुादा से यही प्रार्थना करता हूं कि इनको भाक्ति दे कि जो तोड़ फोड़ का और बिगडा़ हुआ ढांचा इनको आज के दिन मिला है उसकी मुरम्मत करके दुबारा से हरियाणा को नै ानल लैवल पर ही नही, इन्टर–नै ानल लैवल पर ले जा सके। इन भाब्दों के साथ मै तहदिल से इनके दुबारा मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देता हूं।

लौक निर्माण मंत्री (श्री फूल चन्द): अध्यक्ष महोदय, लगभग 11 वर्श के बाद चौधरी बंसी लाल का इस सदन मे पुनः आगमन हुआ हैं। मै हृदय से इनका पुनः मुख्यमंत्री बनने पर स्वागत करता हूं। मुझे विधान सथा मे विधायक के तौरपर इनके साथ काम करने का मोका मिला हैं। सुरजेवाला साहब ने यह बात सही कही हैं कि जब हरियाणा बना था तो उस समय बाहर के लोग यह कहते थे कि भाायद हरियाणा के अधिकारियों को या दूसरे स्टाफ को पे मिल भी सकेगी या नही। जब चौधरी बंसी लाल पहली बार मुख्यमंत्री बने ि तो उस समय मुझे भी किसी कमेटी की मीटिंग के सिलसिलें मे दूसरे प्रदे ाो मे जाने का मौका मिला था। उस समय उन लोगो के वहा पर ये विचार थे कि क्या चौधरी बसी लाल हमे डेपुटे ान पर मिल सकते हैं। हमनेकहा कि

अभी ऐसा नही हो सकता क्योकि हरियाणा को अभी चौधरी बंसी लाल की बहुत जरूरत है। इनहोने अपने कार्यकाल के दौरान बिना किसी भेदभाव के हर गांव को सड़कों से जोड़ा। हर गांव तक बिजली पहुंचाई। इतना ही नही, सिचांई किी सुविधा भी इन्होने उन सभी इलाकाके दी जहां पर पहले पानी नही पहुंचता था। इन्होने अपने समय मे, जहां बिल्कूल सूखें टीले पड़े थे वहां भागीरथ बन कर पानी पहुंचाया चौधरी बंसी लाल जी ने अम्बाला जिले को ट्यूबवेल की सुविधा देकर पानी पहुंचाने का प्रबंध किया । आज भी लोग चौधरी बंसी लालजी द्वारा किए गए कार्य को हरियाणा की प्रगति के साथ जोड़ते हैं। आज जिन परिस्थियों मे प्रधान मंत्री जी ने इनमे हालाकिं सैंटर भी इनकी अभी बहुत जरूरत थी। वहां भी इनको रेलवे को बहुत बड़ा विभाग दिया हुआ है। ट्रासंपोंट विभाग के साथ और भी बहुत से दूसरे महकमे जुड़े हुए हैं केन्द्र को भी इनकी आज उतनी ही जरूरत है जितनी आज के दिन हरियाणा को जरूरत है। लेकिन प्रधानमंत्री जी ने, हरियएाा का सपूत होने के नाते हरियाणा की जिम्मेवारी इनके कन्धो पर डाली है। इन्होने भी इस नई जिम्मेवारी को अपने कन्धोां पर सम्भाला हें हम पूर्ण रूप से इनको वि वास दिलाते है कि हम हमर तरह का सहयोग देगें। हम परमपिता परामात्मा से प्रार्थना करते है कि वे इनको इतना जमबूत करे कि ये हरियाणा और उन्नति की तरफ से जा सके। हमार प्रभू से प्रार्थना है कि ये दीर्घायू हो और अपनी लम्बी उम्र के जरिए हरियाण को और आगे ले जा सकेगे तथा हरियाणा की कांग्रेस को मजबूत करे सकेगें

और हरियाणा को एक नई प्रगमि के पथ पर ले जा सकेगें। इन भाबदो के साथ मै इस सदन मे इनके पुनः आगमन पर इनको स्वागत करता हूं और मुख्यमंत्री बनने की बधाई देता हूं।

श्री निहाल सिह (अटेली): स्पीकर साहब, मै हरियाणा के पुराने मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी को दुबारा नए मुख्यमंत्री बनने पर मुबारकाबाद देतेा हूं। चौधरी बंसी लाल के मुख्यमंत्री बनने से इनका अपने आप मे भाायद कोई ओहदा न बढा हो जितना हरियाणा का इमेज बढा है। आज हरियाणा का जहां कही भी नाम लिया जाने लगा है, वह इज्जत के साथ और बराबरी के साघ्थ लिया जाने लगा हे। आज सबसे बडभ् जरूरत इस बात की है कि हरियाणा के इनट्रैस्ट को कौन वाच कर सकता हे। मेरा अपना वि वास है कि चोधरी बंसी लाल से ज्यादा महबूत आदमी और कोई नही हो सकता जो हरियाणा को मजबूत कर सके और आगे ले जा सके। अब इनके मुख्यमंत्री बनने से स्भी को अम्मीद हो गई है कि हरियाणा के इन्ट्रैस्ट को कोई नुकसान नही होगा। अब ये हरियाणा को पहले की भान्ति आगे ले जा सकेगे और प्रान्त की अधिक से अधिक तरक्की हो सकेगें। सभी को आ ाा हो गई है कि अब हरियाणा को दूसरी स्टैटों की तरह बराबर का दर्जा दिला सकेगें और दूसरे मुख्यमंत्रीयेां को ये पार कर सकेगें। इन्होने बहुत ही एप्रोप्रिएट समया पर काम सम्भाला है। अब इनके मुख्यमंत्री बनने से हरियाणा के हित बिल्कूल सैफ हैण्डज मे है। अपोजी ान के लोग जो अपनी सारी ताकत बन्ध मे या और कामों

मे लगाते है, यदि वह सारी ताकत चौधरी बंसी लाल जी के हाथ मजबूत करने मे लगाए तो ये हरियाणा की और भी आगे ले जा सकते है। अपोजी ान के भाईयो को अपनी ताकत बन्ध मे या दूसरे कामों मे नही लगानी चाहिए बल्कि आज के दिन हरियाणा के नए मुख्यमंत्री के हाथ मजबुत करने मे लगानी चाहिए ताकि हरियाणा को और कामयाबी मिल सके। जब इनके मुख्य मंत्री बनने से हरियाणा को कोई घाटा नही रहेगा। आज हरियाणा जो लडा़ई लड़ रहो है उसका फेसला गलियों और सड़कों पर नही होना। यह फेसला तो टेबल पर बैठकर और नैगासिए ान के जरिए होना हैं। इसके विपरीत अपोजी ान के भाई समझते है कि हम हरियाणा का फेसला सड़को पर या गलियों मे बैठकार करवाऐगे तो ऐसा होने वाला नही है। अब इन्होने जो काम दुबारा सम्भाला है उसके लिए हम इनका पूरा समर्थन करते है। हमें पूरी उम्मीद है कि हरियाणा के हित अब पूरी तरह से सुरक्षित रहेगें और अब हरियाणा को कोई नुकसान नही होगा।

अध्यक्ष महोदय, चोधरी बंसी लाल जी के समय मे महेन्द्रगढ, भिवानी और लोहारू के एरिया मे नहरे खोदी गई थी। आज मै यह कह सकता हूं कि यदि उस समय ये नहरे न खुदी होती तो नारनौल का पूरा कस्ब और दूसरे गांव वहां से भाग खड़े होते। इस एरिया मे इन्होने नहरे खोद कर पीने का पानी पहुंचाया। आज उन्ही नहरों के जरिए और कही पर लिफ्ट स्कीम के जरिए पीने का पानी लोगो को मिलता हैं और प ुओं को

जोहड़ों मे पीने का पानी मिलता है। आज के दिन वहां पर पानी नहरों मे डाला जाता है फिर एक कुएं से दूसरे कुए मे डालकर पानी साफ करके लोगों को और प ाुओ को दिया जाता है। लेकिन जो नहरे इन्होने खुदवाई थी, आज वे सूखी पड़ी है और लोगो को तथा प ाुओं को पीने का पानी पूरा नही मिल रहा। मै अब इनसे उम्मीद करता हूं कि ये उन सूखी पड़ी हुई नहरों को पानी दिलवाएगें। जितना पानी वहां के लोगो को देगे उतना ही फायदा उन लोगो को होगां।

दूसरी बात मै इनके हक मे यह कहना चाहता हूं कि इनके दिल मे कभी भी कास्ट पोलिटिक्स वाली बात नही आई। इन्होनें कभी भी कास्टीजम वाली बात नही की। ये बभी यह नही सोचते कि कौन आदमी किस बिरादरी से ताल्लुक रखता हे। जो भी अच्छा काम करता है। चाहे वह किसी भी बिरादरी से हो या किसी भी मजहब से हों, उसकी ये पूरी इज्जत करते है और मदद करते है। स्पीकर साहब, इनके जो डिवैल्पमैंट के काम है वे भी बहुत सराहनीय रहे है। इन्होने अपने पहले मुख्यमंत्री काल के दौरान हर गांव तक सड़क, बिजली और पानी पहुंचाया। इन्होने यह कभी नही कहा कि कौन से हल्के मे पहले पानी जाएगा, सड़क जाएगी या बिजली जाएगी। इन्होने एक जनरल हुक्म दिया था कि हर गांव तक सड़क पहुचाई जाए, हर गांव को पानी मिले और गांव गांव को बिजली मिलें। हमे अब फिरप वही उम्मीद है कि हर इलाकें को बराबर की सड़कों सुविधा मिलेगी। अब इनके

दुबार मुख्यमंत्री बनने से जो एक काबिले तारीफ है। अब इन्होनें पंजबा मे नई सदभावना के साथ पैदा हुआ हें वह भी काबिलेतारीफ है। अब इन्होने पंजबा के साथ जो बातचीज भ्राुय की है, उसमे एक नया तरीका अपनाया है। इन्होने पंजबा के साथ एक सद्भावना पूर्वक और नई गुडविल के साथ बातचीत भ्राुरू की है। चौधरी पंजाब के साथ एक सदभावना पूर्वक और नई गुडविल के साथ बातचीत भ्राुरू की है। चौधरी बंसी लाल जी ने जिस दिन औथ ली और जिस सभी को पता है, उसका जिक्र सभी अखबारों मे भी आया है। हालाकि चौधरी बंसी लाल जफ्फी डालकर नही मिलते और न ही हमने कभी इनको किसी के साथ इस तरह मिलते हुए देखा था। ये पंजाब के साथ गुडविल कायाम करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री से ऐसे मिलें। हमे भी पूरी पूरी उम्मीद है कि ये गुडविल के साथ काम करेगें। जिन परिस्थितियों मे आज ये मुख्य मंत्री बने और यहां का काम सम्भाला हैं उसका सभी को पता है। आज हरियाणा को इस बात की बड़ी आव यकता है कि यहां पर पार्टी पालिटिक्स या दूसरी बातेा से ऊपर उठाकर काम किया जाए तभी जाकर हरियाणा के हितेा की अधिक रक्षा हो सकेगी। अनत मे मै केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि हरियाणा के इस कर्णधार को, सभी का एक होकर समर्थन देना चाहिए ताकि ये हरियाणा को और आगे ले जा सके और अधिक रक्षा हरियाणा के हितों की कर सके। मुझे पूरी उम्मीद है कि हरियाणा के आगे आने वाल जो दिन है वे बहुत बराईट हैं।

अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ मै इनका पुन: मुख्यमंत्री बनने पर स्वागत करते हुए अपना स्ाीन लेता हूं।

श्री भले राम: स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी के लिए भले ही हम नए है लेकिन इनके बारे मे यह म ाहूर है कि इनकी करनी और कथन मे कोई फर्क नही है। जो बात ये एक बार कहते है उसे दुबारा नही कहते। दूसरी बात यह है कि जो काम हरियाणा के लिए इन्होने किया है उसकी कोई मिसाल नही है। आज पार्टी मिटिंग मे चौधी साहब नहे कहा कि वे जबान के कुछ कड़वे है। स्पीकर साहब, संसार मे दो तरह के आदमी होते है। एक तो मीठा बोल कर बात टाल जाता है ओर दूसरा साफ बात कह देता हैं। साफ बात कहने से बढिया ओर कोई बात नही होती। आज हमारा हरियाणा मलेरिया रूपी बुखार से पीड़ित हैं। चौधरी साहब अगर आप इसे कुनीन की कड़वी गोली देकर राजी कर दे तो बहुत बएिया बात हेागी। स्पीकर साहब, हरियाणा मे इनके समय मे बहुत काम हुआ था। जो कमी बीच मे आई वह हम महसूस करते है कि आने वाल समय मे पूरी होगी। चोधरी साहब, सारे विधायक आपको पूरी तरह कोआप्रैट करेगें, चाहे आप हमे आधी रात को परीक्षा की घड़ी मे डाल लें। जहां आपका पसीना गिरेगा वहा हमारा खून बहेगा। इन भाब्दो के साथ मै अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी लाल सिंह (नारायणगढ़): स्पीकर साहब, मै चौधरी बंसी लाल जी का हरियाणा प्रदे ा का मुख्यमंत्री बनने के

लिए बहुत धन्यवाद करता हूं मेरे पास कोई भाब्द नही है जिनसे मै इनकी तारीफ कर सकूं। इन्होने हरियाणा मे जो काम किया हैं उसे हरियाणा का बच्चा बच्चा जानता है। जिन गांवो मे सड़को का नाम नही था वहां इन्होने सड़के पहुचाई, जहां पानी नही था वहा पानी पहुचाया और हर गांव मे बिजली पहुचाई। इसलिए इनकी मै जितनी तारीफ करूं उतनी कम है। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने जिस दिन दुबार हरियाणा के मुख्य मंत्री की औथ ली, उस दिन मै अपने एरिया मे गया था। हर आदमी खुि ायां मना रहा था। स्पीकर साहब, चौधरी बड़े दयालू भी ओर हृदय से सरदार पटेल की तरह कठोर भी है। जो हिम्मत और होसंला उनके अन्दर था, उससे कम चौधी बंसी लाल के अन्दर नही है। ये एक दफा जिस काम को कह देते है। वह वक्त से पहले हुआ मिलता है। मूझे पूर्ण वि वास है कि विधान सभा के सभी एम. एल.एज. इन के साथ है। मै अपनी तरफ से इन्हे सदन मे वि वास दिलाता हूं कि जहां इनका पसीना गिरेगा वहां मेरा खुन गिरेगा। स्पीकर साहब, लोकदल आदि को तो मै जानता नही। मै तो यह जानता हूं कि यदि चौधरी बंसी लाल की की कृपा रही तो 90 की 90 सीटे हरियाणा मे कांग्रेस जीत कर आएगी और चौधरी बंसी लाल फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री बनेगें। हरियाणा मे अब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बन गए है ओर हमें घाटा होने वाला नही है। चौधरी साहब के आने से चण्डीगढ भी पंजाब को नही गया है। यह इनकी कृपा है कि जहां हम बैठा करते थे वही आज बैठे हुए है। इन सारी बातो को देखते हुए हम इनका जितना

सम्मान करें उतना थोड़ा है। स्पीकर साहब, जितने विधायक और मिनिस्टर्ज है, वे सब इनके साथ है। चौधरपी साहब का जो भी हुक्म होगा उसकी हम पालना करेगें। इन भाबदों के साथ मै चौधी साहब को फिर मुबारिकबाद देता हूं और सबकी ओर से इनका धन्यवाद करता हूं।

भूतपूर्व मुख्यमंत्री, चौधरी भजन लाल, द्वारा की गई सेवाओं की प्र ांसा

श्री अध्यक्षः अब मुख्यमंत्री जी बोलेगें।

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Mr. Speaker, Sir, on this occasion, I deem it necessary to mention the valuable services rendered by the former Chief Minister, Sh. Bhajan Lal. He served the State to the best of his abilities and the people of the State are grateful to him for working hard to develop the state for 7 years.

मुख्यमंत्री द्वारा पालिसी स्टेटमैंट तथा उस पर चर्चा

श्री अध्यक्षः अब मुख्यमंत्री जी स्टेटमैंट देगे

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Mr. Speaker, Sir, now I make a policy statement. It is my privilege to address this august House today after having been elected as Leader of the Congress Party and having taken over as Chief Minister of Haryana. I had the privilege of serving the State earlier and the State had achieved spectacular success in several crucial areas like electrocution, roads, drinking water, lift canals etc.

I recall on this occasion the benevolent and generous role played by Smt. Indira Gandhi who led the nation as Prime Minister fro almost two decades. Haryana had special place in her heart. She used to assist us at every moment. She used to quote the example of Haryana's progress to other States she Gave us liberal help in financial and material terms. It is entirely because of her patronage and blessings that the basic infrastructure of growth and prosperity was laid in the State. I had the honour of leading the State in those momentous years.

Haryana is already counted as a leading progressive State in the country. Its granaries are full and it is contributing good deal to the nations' buffer stock of food grains. But unfortunately some factor intervened to retard the growth. I am sorry to say that the role of the opposition has been mostly negative. The have tried to take advantage of the basic simplicity of our people and have tried to mislead and divide them on communal and caste consideration. There is an unholy alliance between the Lok Dal and the Bhartiay Janta Party. They are trying to take people towards agitational path.

In the matter of securing a just deal on the transfer of Chandigarh to Punjab, the opposition parties have failed to take a constructive attitude. When they should have strengthened the Government and made common cause, they have tried to disrupt peace in the State. At such a crucial juncture, they have attempted to incite people to violence and cause inconvenience to lakhs of peoples.

I am happy to report that situation has remained absolutely peaceful today in the whole of the State despite

grave provocation by the opposition parties and their untimely call for a Bandh in the State. There has been not report of any violence. I would like to compliment the people of Haryana in showing utmost restraint and maintaining peace and communal harmony.

Haryana today stands on the Thrsh-hold of new opportunity. We hope that the territorial disputes with Punjab will be amicably settled very soon. We have already accepted the Venkataramiah Commission award in toto. We have done this keeping the national interest in view. Although Haryana had a claim for much larger territory in lieu of Chandigarh, but we accept the judicial award of 70000 acres in lieu of Chandigarh. This transfer of Chandigarh to Punjab and 70000 acres to Haryana will take place simultaneously.

After these territorial matter are settled, we will soon select the site of the new capital for Haryana in consultation with the Central Government. The Central Government has promised that it will build a world standard capital for Haryana. We have every hope that we will be able to do it within five years. Till that time Chandigarh will continue to serve as the capital of the State.

More important than the transfer of territories is the question of water. We have urged the Central Government to get the S.Y.L. canal constructed through its own agency. We are hopeful that the Central Government will take over this construction soon. I am confident that Haryana will get its just share of water and the State will become a granary of the nation.

Electric supply is basic to Agriculture as well a s industry. All growths and p9rosperity is dependent upon ample supply of electricity. It will be my Endeavour to see that generation of electricity is speeded up. The old projects will be augmented and new project will be added. We will try our best to see that the widening gap between the demand and supply of electricity is soon bridged.

The 20-Point programmed of the Prime Minister is most crucial for the uplift of the poor. My Government will bend all its energies in taking this programmed to the last village in the State and to the poorest of the poor.

I want to assure this august House through you, Speaker, Sir that the interests of Haryana are safe in the hands of our beloved Prime minister, Sh. Rajiv Gandhi.

17.00 बजे

श्री लछमन सिंह(कालका): स्पीकर साहब, अभी चीफ मिनिस्टर साहब जो पालिसी स्टैटमैंट हाउस मे पढा है। उसके बारे मे अर्ज करना चाहता हूं। उन्होने बहुत ही अच्दी बात कही है इस बात को हम पहले भी महसूस करते थे और मै ही नही बल्कि सारे हरियाणा की जनता महसूस रिती थी कि हरियाणा की बागडोर एक योग्य व्यक्ति के हाथो मे हों। आपके यहां आने से हरियाणा की किस्मत जाग उठी हैं। अब हरियाणा आग ही आगे बढता जायेगा। पिछली बातों को हमे सोचना भी नही चाहिए। चौधरी साहब की यह विचारधार कि forget the past and think of the future. इससे अच्छी बात और कोठ हो नही सकती। आज के

बदले हुए युग मे जबकि इन्साफ चान्द पर पहुच चुका है हमे भी इस बारे मे सेाचना होगा। मैने चौधरी साहब से एक अर्ज पहले भी की है और आज फिर दोबारा करना चाहूंगा कि हरियाणा की सारी जतना चौधरी साहब के इन लफ्जों की म कूर है जिन्होनें आते ही यह वायदा किया है कि हरियाणा मे माइनोरिटी बिल्कूल सैफ रहेगी। मै इस बारे मे पंजबा सकरार और वहां की जनता से मै अपील करना चाहूंगा कि वहां पर इस समय जिस किस्म का वातावरण है उसे जितनी जल्दी से समाप्त किया जा सके किया जाना चाहिए। हिन्दू और सिख दोनो कम्यूनिटीज एक मा बाप के पूत है। ये कभी भी अलग अलग नही हो सकते क्योकि यह सदियों से परम्परा चली आयी हैं मै चौधरी साहब को बताना चाहूंगा कि पंजाब के लोगो के दिलों मे उनके प्रति बहुत इज्जत और मान है। वे अपने गुड आफिसिज को इस्तेमाल करे और वहां की सरकार तथा लेागो को प्ररेणा दे कि वे वहां पर अमन का वातावरण पैदा रके। अभी चौधरी साहब ने चण्डीगढ के मुताल्लिक कहा है और यह सै ान भी इसीलिए बुलाया गया है कि इस बारे मे बातचीत करे लेकिन अभी कोई एजेनडा नही है। चौधरी साहब ने बड़ी हिम्मत दिखायी है कि बैवटरमैया कमी ान की रिपोर्ट का माना है। इस कमी न ने 70 हजार एकड़ जीमन हरियाणा को दी है लेकिन अभी यह आईडैन्टीफायी होना है कि यह जमीन कहा से दी जायें। इसके लिए केन्द्रीय सरकार ने देसाई कमी ान बैठाया हैं मै चौधरी साहब से एक अर्ज ओर करना चाहूंगा कि हमे इस बात का बड़ा खद ा है कि हरियाणा और पंजाब कमी ान

का घर बन चुका है। अगर तीसरे कमी ान की रिकमेडे ांज भी लागे न की जा सकी तो कोई भी कमी ान कुद भी नही कर सकेगा। जैसे पंजाबी मे कहा जाता है कि किसी बात को गधी गेड़ मे डाल देना, यहां पर इस कमी ान की भी वही बात न हो जायें। आप बरनाला साहब को भी मनाये कि वे आज लोकल हालात को ध्यान मे रखते हुए इस कमी ान को माने। मै पिछले दिनो उनका सै ान देखनपे के लिए गया था। वे भी मजबूर है। अन्दर से तो यह मानतें है लेकिन हरेक आदमी जानता है कि इसका क्या ह ार होगा? इसलिए यह बात मान लेनी चाहिए और एक दूसरे को ले दे कर मामला खत्म करना चाहिए। कई बार पोलिटिलक सिचुए ान और पोलिटिकल कम्पल ानह ऐसे हालात पैदा कर देते है जिनके कारण एक इंच भी आगे नही बढ़ सकते। वे एक इंच आगे बढ़ते है तो उन्हे दो इंच पीछे मुड़ना पड़ता है। उनकी लोकल मजबूरियां है। चौधरी साहब, आज जैसा हरियाणा मे वातावरण बना हुआ है उससे कुछ नही होगा। अपोजी ान का काम हुआ करता है विरोध करना। उन्होंने अपनी बात कहनी है कह कर चल देंगे। फैसला तो हरियाणा की जनता ने करना है। अभी हमारी असैम्बली की मियाद भी बहुत जल्दी खत्म होने वाल है। अगर चण्डीगढ पंजबा मे चला जायें तो तो कुछ फर्क नही पड़ने वाला है। इस बारे मे मै ही ज्यादा भाोर माचाया करता था क्येांकि चण्डीगढ मेरे अपने हल्के के साथ लगता है। मेरी कांस्टीच्सूसी अम्बाला जिले मे है ओर लागेा केा चणडीगढ राजधानी होने के नजदीक पड़ती है। सबसे ज्यादा हम पर इसका

असर होगा। लेकिन चौधरी साहब कि विचारधारा के बारे मे जैसे अभी मरे एक भाई नक कहा कि इनके दिमाग मे न कोई बिरादरी की बात है औन न केाई कम्यूनिल्जिम की बात है। कास्अ और क्रीड मे ये वि वास नही करते है और न ही इलाकानरस्ती की बात दिमाग मे लेकर चलते हैं। इनके दिमाग मे ऐसी कोई बात नही है। ये ब्रांउ हर्ट है, इनका नै ानल आउटलुक है। ने ानल आउट लुक की विचाराधाराक के कारण वे 21 वी सदी से पहले ही हमें दूसरे दे ाो के मुकाबिले मे ले जाना चाहते है। ये इन्टर नै ानल स्टैन्डर्ड को जो केप्टिल है वह हरियाणा मे बनाना चाहते हैं दूसरे दे ाों मे जो लोग गये है। उन्हे पता है कि वहां पर पब्लिक यूरिनल्ज भी गन्दे नही होते है, वे भी नीट एन्ड कलीन होते हैं। इसलिए इन्टर नै ानल स्टैन्र्डर्ड की जो कैपिटल हरियाणा मे बनेगी, वह हरियाणा की बहुत बड़ी खु ाकिस्मती होगी। हरियाणा का नाम इन्टर नै ानल नक ो पर आयेगा। हिन्दूस्तान के अन्दर तो पहले ही आ चुका हैं। इसलिए यह वातावरण, जो पीस का वातावरण है यह चौधरी साहब ने सख्ती के साथ कन्ट्रोल करके कायम किया हें इस बारे मे मै आपको मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि हरियाणा मे अमनाअमान रहा है। माइनोरिटी कम्यूनिटीज के अन्दर बड़ी भारी दह ात थी। हर एक ान का री–एक ान लाजमी हैं। ऐसे हालता मे जो आपने कन्ट्रोल किया है उससे पता चलता है कि अब वह डर नही है। अब पुलिस वालो से और अफसरो से मिलकर पता चलता है कि अब वह बात नही है। पहले कह देते थे कि भाूट एट साईट और

उधर मधुबन से पूलिस भेज देते थे कि जाओं आग लगवाओं, फलां जगह का फूंको। अब वह बात नही रही है। इसके अलावा मै चौधरी साहब को इस बात की मुबारिकबाद देता हूं कि चौधरी साहब जो कहते हे वह करते हे। वे जो अन्दर से वही बाहर से भी है। इनके मन में दो बाते नही हैं पहले तो हम सुन सुन कर तंग आ गये थें कि पुलिस को आर्डर कर दिये है कि गोली से उड़ा दो लेकिन एक भी ऐसा वाक्या नही हुआ जहां पर दोशी लोगो के खिलाफ ऐक ान लिया हों। पांच पांच सौं, सात सात सौं आदमी माइनौरिटी कम्यूनिटी के मारे गय लेकिन दोशियों के खिलाफ कुछ भी ऐक ान नही लिया गया। चौधरी साहब के जमाने मे यह बात नही हो सकती। अब माईनोरिटी कम्यूनिटीज के लोगो मे हौसला है और खु ाी हैं। मै तो पंजाब के अन्दर जब लोगो से मिलता हूं तो यही कहता हूं कि वातावरण भाान्ति का होना चाहिए। भाान्ति से ही दोनो सूबे आगे जा सकते हैं पंजाब तो पहले ही बहुत तरक्कीयाफता है और हम लोगो ने भी बहुत तरक्की की है। हम उम्मीद करते ह कि हम आग बढते रहे और हमारा जो त रक्की का फासला है वह लाजमी तौर पर कम होगा और हम अपनी मजिलें–मुकसूद पर पहूंचेग। मै हाउस का ज्यादा टाई न लेते हुए इस बात की फिर से मुबारिकबाद देता हूं कि आपने जो फैसला किया है वह बहुत अच्छा है। मै भगवान से दुाअ करता हूं कि आप अपने मकसद मे कामयाब हों। चण्डीगढ का जो झगड़ा है, उसका जल्दी से निपटारा हो, वरना यह बहुत लम्बी बात होती जा रही है ओर हर गवर्नमैंट की क्रेडेबिलिटी खराब होती जा रही है। ये जो

लारे–लप्पे लगा रहे है, ऐसा करने से तो काम बिगडता है। चौधरी साहब आप काम करने वाले है जो भी फैसला करना है वह एक दफा हो जाये। इसमे कोई ऐसी खास बात नही है। इन भाब्दो के साथ मै खत्म करता हूं। धन्यावाद।

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Sir I want to assure the whole House through you that the minority community will be quite safe in Haryana.

Mr. Speaker: The House stand adjourned sine-die

17.06 Hrs.

(The Sabha then adjourned sine-die.)